# रणजीत टाइम्स

वर्ष : 1, अंक: 118 इंदौर, शनिवार 3 मई 2025

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

DIGITAL EDITION


## रेप-ब्लैकमेलिंग के आरोपियों का भोपाल के गांव में था ठिकाना

### हिंदू लड़कियों को इसी कमरे में ले जाते थे

**भोपाल।** भोपाल में रेप और ब्लैकमेलिंग के आरोपियों ने शहर से दूर गांव में ठिकाने बना रखे थे। हथाईखेड़ा के क्लब 90 के अलावा सीहोर जिले के बिलकिसगंज में उन्होंने कमरा किराए पर ले रखा था। अशोका गार्डन पुलिस की पूछताछ में आरोपी फरहान, अली, साहिल और नबील लगातार खुलासे कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बिलकिसगंज में फरहान और अबरार अय्याशी किया करते थे। फरहान ने इस रूम में भी एक पीड़िता के साथ ज्यादती की है। इसका खुलासा होने के बाद पुलिस आरोपी फरहान को लेकर शुक्रवार देर रात बिलकिसगंज जा रही थी।

पुलिस को यहां से साक्ष्यों की जब्ती करना थी। इससे पहले ही उसने एसआई की पिस्टल छीनकर भागने की कोशिश की और फायर होने के बाद गोली उसे लग गई। फरहान ने पुलिस को पूछताछ में जानकारी दी थी कि पश्चिम बंगाल स्थित हॉस्टल में भोपाल पुलिस की दबिश के बाद अबरार भाग गया था। अब उसे पुख्ता जानकारी है कि अबरार बिलकिसगंज के कमरे में छिपा है। लिहाजा पुलिस उसे लेकर सर्चिंग के लिए जा रही थी। रेप के लिए इस्तेमाल ज्यादातर कमरों को अबरार ने ही किराए पर लिया था। अशोका गार्डन वाला कमरा भी उसी का था।

## मिलिट्री बैंड की धुनों के बीच खुले बद्रीनाथ धाम के कपाट

- पारंपरिक नृत्य किया गया पेश, 10 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे

**चमोली (एजेंसी)।** बद्रीनाथ धाम के कपाट रविवार सुबह 6 बजे खोल दिए गए। मंदिर के रावल (मुख्य पुजारी) ने गणेश पूजा के बाद मंदिर के कपाट खोले। महिलाओं ने लोकगीत गाए। गढ़वाल राइफल्स के बैंड ने पारंपरिक धुनें बजाईं। इसी के साथ चारधाम यात्रा पूरी तरह से शुरू हो गई है। कपाट खुलने के बाद अगले 2 घंटे में 10 हजार से ज्यादा श्रद्धालु धाम पहुंचे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी पूजन-दर्शन किए। श्रद्धालु अगले 6 महीने तक भगवान बद्रीविशाल के दर्शन कर पाएंगे। 3 मई को भगवान बद्रीविशाल की पालकी, आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी, कुबेर और उद्धव की उत्सव डोली धाम पहुंची थी। इससे पहले 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया के दिन गंगोत्री-यमुनोत्री धाम और 2 मई को केदारनाथ धाम के कपाट खोले गए थे। बद्रीनाथ धाम में दर्शन के लिए अब तक 10 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहुंच चुके हैं। मुख्य द्वार के सामने लंबी लाइनें लगी हैं। अगले 6 महीने तक तीर्थयात्री बद्रीविशाल के दर्शन कर पाएंगे। चारधाम यात्रा रूट पर करीब 6 हजार पुलिसकर्मी, रैपिड की 17 कंपनियां और अर्धसैनिक बलों की 10 कंपनियां तैनात की गई हैं। यमुनोत्री धाम की तरह ही श्रद्धालु बद्रीनाथ मंदिर में मौजूद तप्त कुंड में स्नान करके भगवान के दर्शन करने पहुंच रहे हैं। बर्फीले पहाड़ों से घिरे बद्रीनाथ धाम में मौजूद तप्त कुंड में अलकनंदा नदी के जल की गर्म धारा आती है। मान्यता है कि जो भी तप्त कुंड में स्नान कर भगवान बद्री विशाल के दर्शन करता है उसे बैकुंठ धाम प्राप्त होता है। बद्रीनाथ धाम मंदिर समिति ने इस बार भगवान के लिए खास प्रसाद पैकेज तैयार करवाए हैं। दर्शन के लिए आ रहे श्रद्धालु स्टॉल से प्रसाद ले सकेंगे।

**सिंधु जल संधि के बाद**

## भारत ने की 'वाटर स्ट्राइक'

- चिनाब नदी के बगलिहार बांध से रोक दिया जल प्रवाह
- किशनगंगा बांध बंद करने की भी प्लानिंग बना रहा भारत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत ने चिनाब नदी पर बगलिहार बांध के माध्यम से पानी के प्रवाह को रोक दिया है और झेलम नदी पर बने किशनगंगा बांध को लेकर भी इसी तरह के कदम उठाने की योजना बना रहा है। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया कि जम्मू के रामबन में बगलिहार जलविद्युत बांध और उत्तरी कश्मीर में किशनगंगा जलविद्युत बांध भारत को पानी छोड़ने के समय को रेगुलेट करने की क्षमता देते हैं। भारत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद दशकों पुरानी संधि को निलंबित करने का निर्णय लिया। इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। विश्व बैंक की मध्यस्थता से की गई सिंधु जल संधि ने 1960 से भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के उपयोग को नियंत्रित किया है।

**लंबे समय से विवाद में बगलिहार बांध-** बगलिहार बांध दोनों पड़ोसियों के बीच लंबे समय से विवाद का विषय रहा है। पाकिस्तान इस मामले में विश्व बैंक की मध्यस्थता की मांग कर चुका है। पाकिस्तान को किशनगंगा बांध को लेकर भी खासकर झेलम की सहायक नदी नीलम पर इसके प्रभाव के कारण आपत्ति है।

## इलेक्शन से जुड़ी अब सभी सेवाएं मिलेंगी एक ही जगह

- चुनाव आयोग ला रहा है एक नई ऐप, वोटर्स और पार्टियों को होगा फायदा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** चुनाव आयोग अब एक नया और आसान डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार कर रहा है, जिससे वोटर, चुनाव अधिकारी, राजनीतिक दल और सामाजिक संगठन सभी को सुविधा मिलेगी। इस नए प्लेटफॉर्म का नाम ईसीआईनेट होगा। ईसीआईनेट चुनाव आयोग के पहले से मौजूद 40 से ज्यादा मोबाइल और वेबसाइट ऐप्स को एक साथ लाएगा और उन्हें नया रूप देगा। यह एक ही जगह से चलने वाला ऐसा ऐप होगा जिसमें चुनाव आयोग की 40 से ज़्यादा पुरानी मोबाइल और वेब ऐप्स को जोड़ दिया जाएगा। ईसीआईनेट के शानदार यूजर इंटरफेस के साथ इसे इस्तेमाल करना भी बहुत आसान होगा,क्योंकि सभी चुनावी काम एक ही जगह होंगे।

## एमपी कांग्रेस ने अब बनाया इलेक्शन मैनेजमेंट डिपार्टमेंट

- वार्ड और पंचायत समितियां बनाकर सिखाएंगे इलेक्शन मैनेजमेंट, अब पांसे बने संगठन के इंचार्ज

**भोपाल।** चार महीने पहले एमपी कांग्रेस के संगठन में दो-दो प्रभारी नियुक्त किए गए थे। पूर्व मंत्री प्रियव्रत सिंह और प्रदेश महामंत्री संजय कामले को संगठन का प्रभारी बनाया गया था। चार महीने में ही प्रियव्रत सिंह की जगह संगठन का प्रभार पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे को दिया गया है। एमपी कांग्रेस ने पहली बार चुनाव प्रबंधन विभाग का अलग से गठन किया है। इस विभाग का प्रभार पूर्व मंत्री और कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रियव्रत सिंह को दिया गया है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी की मंजूरी मिलने के बाद पीसीसी चीफ ने चुनाव प्रबंधन विभाग की प्रदेश स्तरीय समिति बनाई है। एमपी कांग्रेस द्वारा गठित चुनाव प्रबंधन विभाग अब निचले स्तर के संगठन पर काम करेगा। यानि हर विधानसभा में चुनाव प्रबंधन का प्रभारी नियुक्त किया जाएगा। इसके बाद पंचायत और वार्ड समितियों का गठन होगा।

## संगीत का मनुष्य के जीवन में महत्वपूर्ण स्थान: राज्यपाल

- राजा मानसिंह तोमर संगीत विश्वविद्यालय का छठवां दीक्षांत समारोह सम्पन्न
- स्वर्ण पदक से 122 एवं शोध उपाधियों से 33 विद्यार्थी किए गए सम्मानित

**भोपाल।** राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि संगीत हमेशा ही मन को भाता है। मनुष्य की हर उम्र में संगीत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। राज्यपाल श्री पटेल ने रविवार को राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर के छठवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कबीर लोक भजन गायक पद्मश्री कालूरामबामनिया ने की। इस मौके पर वरिष्ठ तबला वादक एवं शिक्षाविद् प्रो. किरण देशपाण्डे विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय भारतीय संगीत को प्रोत्साहित करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। महाविद्यालय के अनेकों छात्रों ने संगीत के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि देश के विकास में युवाओं को अपनी पूरी क्षमता के साथ योगदान देना चाहिए। संगीत विश्वविद्यालय में अध्ययन करने के बाद जिन छात्रों को पुरस्कृत किया गया है वे अपने जीवन में संगीत के माध्यम से देश विकास में अपना सहयोग करें। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि वरिष्ठ तबला वादक प्रो. किरण देशपाण्डे के जीवन से युवाओं को प्रेरणा लेना चाहिए। वे जिस प्रकार से तबला वादन कर रहे हैं, उसकी मिसाल कम मिलती है।

# नारी संघर्ष की मिसाल ज्योतिबा फुले की पत्नी सावित्रीबाई फुले

रणजीत टाइम्स

## आदित्य शर्मा

इंदौर। शिक्षा और महिला का महत्व समझाने के उद्देश्य फिल्म देखकर जीवन मै बदलाव लाएं महिलाएं इसके लिए फुले फिल्म दिखाने पहुंचे बलाई दलित समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार ज्योतिबा फुले सावित्रीबाई फुले के जीवन पर आधारित फिल्म (फुले) को दलित समाज की महिला बच्चे युवाओं के साथ फिल्म देखने फिनिक्स माल पहुंचे मनोज परमार जहां वह अपने समर्थकों के साथ नारेबाजी करते हुए थियेटर मै प्रवेश किया उन्होंने सभी से आग्रह किया कि इस फिल्म से प्रेरणा लेकर निकले किस तरह सावित्रीबाई फुले ने संघर्षरत जीवन से महिला को सम्मानित दिशा दिखाई सावित्रीबाई फुले भारत देश की प्रथम महिला प्रिंसिपल थी उनके महिला अधिकार संघर्ष के बाद आज पुरे विश्व मै महिलाएं उच्च मुकामों पर पदस्थ हैं जैसे हमारे देश की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्म इन्दौर की पूर्व सांसद सुमित्रा महाजन जैसे कहीं उदाहरण आपके समक्ष है आप सभी शिक्षा को प्राप्त कर अपने अधिकार की लड़ाई लड सकते हैं मनोज परमार दलित समाज के लिए हर वक्त खड़े दिखाई देते हैं कही बार दलितों के ऊपर अत्याचार की लड़ाई भी लड़ते हैं साथ ही उन्हें शिक्षा और उनके अधिकार के लिए जागरूक करने के लिए कहीं तरह के कार्यक्रम भी आयोजित करते रहते हैं जैसे आज फिल्म दिखाकर महिलाओं के अधिकार, शिक्षा, के प्रति जागरूक करना उद्देश्य था..!

मां बगलामुखी जयंती पर विस्तृत लेख

# संकट नाशिनी, शत्रु विनाशिनी स्तंभन शक्ति की देवी की महिमा

भूमिका- हिंदू धर्म में दस महाविद्याओं का विशेष महत्व है, जिनमें मां बगलामुखी आठवीं महाविद्या के रूप में जानी जाती हैं। इन्हें "पीताम्बरा", "स्तंभन शक्ति", और "वाणी की अधिष्ठात्री" देवी के रूप में पूजा जाता है। मां बगलामुखी की जयंती वैशाख शुक्ल अष्टमी को मनाई जाती है। यह दिन साधकों के लिए अत्यंत शुभ और सिद्धिदायक होता है। यह तिथि विशेष रूप से तंत्र साधना, न्यायिक मामलों में विजय और दुश्मनों के प्रभाव से मुक्ति के लिए पूजनीय है।

मां बगलामुखी का स्वरूप और महत्व- मां बगलामुखी का रंग पीला होता है, इसलिए इन्हें पीताम्बरा देवी भी कहा जाता है। देवी एक हाथ में शत्रु की जीभ पकड़ती हैं और दूसरे हाथ से गदा से उसे परास्त करती हैं। यह प्रतीक है वाणी पर नियंत्रण, दुश्मन के षड्यंत्र का अंत और मन की स्थिरता का।

मां बगलामुखी की साधना सेः शत्रुओं का नाश होता है, मुकदमों में विजय प्राप्त होती है, तांत्रिक सिद्धियां प्राप्त होती हैं, वाणी और बुद्धि में नियंत्रण आता है

जयंती का महत्व और साधना विधि

जयंती तिथिः- हर वर्ष वैशाख शुक्ल अष्टमी को मां बगलामुखी जयंती मनाई जाती है। यह तिथि वर्ष 2025 में 6 मई को आ रही है।

### इस दिन की पूजा विधि इस प्रकार है

1. पीले वस्त्र धारण करें, पीला आसन बिछाएं
2. मां की प्रतिमा या चित्र की स्थापना करें
3. हल्दी से तिलक करें, पीले फूल चढ़ाएं
4. "ॐ ह्लीं बगलामुख्यै नमः" इस मंत्र का जाप हल्दी की माला से करें (कम से कम 108 बार)
5. विशेष रूप से त्रिपुर सिद्धांत अनुसार हवन भी किया जाता है
6. पीले व्यंजनों का भोग लगाएं (बेसन लड्डू, केसरी हलवा, आम)

महत्वपूर्ण शक्तिपीठ (मंदिर)

मां बगलामुखी के कई प्रमुख शक्तिपीठ भारत भर में प्रसिद्ध हैं, विशेष रूप सेः

1. पीताम्बरा पीठ, दतिया (मध्य प्रदेश) यह भारत का सबसे प्रसिद्ध बगलामुखी शक्तिपीठ है। यहाँ पर वकील, राजनेता, अधिकारी, तांत्रिक साधक और आम भक्त विशेष रूप से न्याय एवं विजय की कामना से दर्शन हेतु आते हैं। मान्यता है कि यहां की साधना तुरंत फलदायक होती है।

2. नलखेड़ा बगलामुखी मंदिर, जिला आगर (म.प्र.) यह स्थल भी अत्यंत प्राचीन और चमत्कारी माना जाता है। यहां की जयंती पर विशेष रात्रि साधना, हवन और भंडारे का आयोजन होता है।

3. बंजारावाला मंदिर, देहरादून (उत्तराखंड) उत्तर भारत में विशेष मान्यता वाला यह मंदिर तांत्रिक साधना का केंद्र है।

4. बगलामुखी शक्तिपीठ, कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) हिमालय क्षेत्र में स्थित यह पीठ पर्वतीय तंत्र-साधकों के लिए महत्वपूर्ण है।

5. रांची कांके बगलामुखी मंदिर (झारखंड)

झारखंड राज्य का प्रमुख शक्तिपीठ, जहां विशेष रूप से बुधवार और जयंती को बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं।

तांत्रिक दृष्टिकोण से विशेष दिन- यह दिन 'स्तंभन शक्ति' को जागृत करने के लिए सर्वोत्तम माना जाता है। किसी भी प्रकार की बाधा, मुकदमे, शत्रु बाधा, वाणी व वाद-विवाद से ग्रस्त व्यक्ति इस दिन पूजा करे तो चमत्कारी लाभ मिलते हैं। तंत्र साधकों के लिए यह दिन सिद्धि प्राप्ति का अवसर होता है।

सामाजिक व आत्मिक संदेश- मां बगलामुखी केवल शत्रु विनाश की देवी नहीं हैं, बल्कि हमारे अहंकार, क्रोध, लोभ, और मन की चंचलता को नियंत्रित करने की प्रतीक भी हैं। उनकी पूजा हमें आत्मबल, धैर्य और न्याय के पथ पर चलने की प्रेरणा देती है।

निष्कर्ष- मां बगलामुखी की जयंती केवल एक धार्मिक तिथि नहीं है, यह एक संकल्प दिवस है। इस दिन अगर श्रद्धा और नियम से साधना की जाए, तो जीवन के अनेक संकटों का निवारण संभव है। मां की साधना से न केवल बाहरी दुश्मनों पर विजय मिलती है, बल्कि मन के विकारों और भ्रम पर भी नियंत्रण संभव होता है।

आप सभी को मां बगलामुखी जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं!

### ॐ ह्लीं बगलामुख्यै नमः

# मनुष्य सृष्टि का शिखर है तथा आत्मबोध सृष्टि के आनंद का आधार

परमपिता परमात्मा को हम सत-चित-आनंद कहते हैं। सत् माने सत्य। सत् पुरुष वह ईश्वर है जो स्वयं सृष्टि में वास्तविक भाग नहीं लेता है, बल्कि उत्प्रेरक है। उदाहरणार्थ मैं सब काम कर रहा हूं, लेकिन प्रकाश के बिना मैं कुछ नहीं कर सकता। प्रकाश मेरे कार्य का आधार है, लेकिन प्रकाश किसी भी तरह से मेरे द्वारा किए जाने वाले कार्यों के बारे में कुछ नहीं करता है। इसी प्रकार सर्वशक्तिमान ईश्वर प्रकाश के समान साक्षी मात्र हैं। उनका एक अन्य गुण चित है। यह ध्यान है। जब यह स्पंदित होता है, तब वह अपने ध्यान से रचना करना शुरू कर देते हैं। और उनका एक तीसरा गुण है जिसे हम आनंद कहते हैं। आनंद, अनुभूति है जो उन्हें अपनी धारणा से, अपनी रचना से मिलती है। ये तीनों चीजें - सत्-चित-आनंद - जब ये एक शून्य बिंदु पर होती हैं जहां ये मिलती हैं, तब ये ब्रह्म का सिद्धांत बन जाती हैं।

आनंद जब सृष्टि के साथ चलने लगता है, तो सृष्टि शुरू होती है, पहले सत् या सत्य अवस्था से असत् अर्थात् माया से नीचे उतरती है। और उस समय, सृष्टि काम करना शुरू कर देती है और जब यह काम करना शुरू कर देती है, तो भगवान का भावनात्मक पक्ष भी स्थूल और स्थूल होने लगता है। व भौतिक संसार का निर्माण होता है।

अब इस प्रक्रिया का एक और हिस्सा तब शुरू होता है जब आप सर्वशक्तिमान ईश्वर को वापस प्राप्त कर रहे होते हैं। धीरे-धीरे स्थूल भाग प्रबुद्ध होने लगते हैं। तो आनंद भी अपनी अभिव्यक्ति को बदलना शुरू कर देता है, और आनंद की व्यापक सीमा आपके हाथ में आ जाती है। अब आप देखते हैं कि कैसे ईश्वर की रचनात्मकता मनुष्य के हाथों में जाती है, कैसे ईश्वर का आनंद मनुष्य के हाथों में जाता है, और कैसे उसका प्रकाश मनुष्य के हृदय में आत्मा के रूप में आता है। उस प्रकाश के कारण हम धर्म की बात करते हैं, हम ईश्वर की बात करते हैं और हम शाश्वत चीजों की बात करते हैं। लेकिन यह आनंद तब तक नहीं हो सकता जब तक कि जागरूकता उस अवस्था तक नहीं पहुंच जाती जहां आप स्वतंत्र हो जाते हैं। स्वतंत्र अर्थात् स्व के तंत्र को समझना, सूक्ष्म व स्थूल शरीर की आपके उत्थान में भूमिका को समझना।

मनुष्य सृष्टि का शिखर है। मनुष्य के रूप में हर चीज में आनंद है। लेकिन आत्मबोध के बाद ही आप सृजन के वास्तविक आनंद को महसूस कर सकते हैं। इसअवस्था को प्राप्त करने का सहजयोग एक सरल व प्रमाणिक माध्यम है। कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार की प्राप्ति के पश्चात् साधक सत्-चित-आनंद को सहज ही प्राप्त कर लेते हैं तथा नियमित ध्यान धारणा द्वारा हम उत्थान के उच्चतम शिखर पर भी सहज ही पहुंच जाते हैं। सहजयोग से संबंधित जानकारी निम्न साधनों से प्राप्त कर सकते हैं। यह पूर्णतया निशुल्क है। टोल फ्री नं – 1800 2700 800 बेवसाइट - sahajayoga.org.in

रणजीत टाइम्स
इंदौर, शनिवार 3 मई 2025
03
DIGITAL EDITION

# कहीं-कहीं ओले भी गिरे, तापमान में अब गिरावट, मौसम हुआ ठण्डा

**इंदौर (एजेंसी)।** इंदौर में रविवार सुबह धूप खिली लेकिन गर्मी का असर कम था। फिर कुछ देर बाद बादल छाए और 11 बजे बाद कुछ हिस्सों में रिमझिम शुरू हो गई। इसके बाद दिनभर बादल छाए। फिर दोपहर साढ़े तीन बजे अधिकांश क्षेत्रों में बारिश शुरू हो हो गई। इस दौरान गांधी प्रतिमा, एयरपोर्ट क्षेत्र, आसपास सहित कुछेक स्थानों पर छोटे ओले भी गिरे। इसके साथ ही मौसम फिलहाल ठण्डा होने से राहत है। इन दिनों रोज इस दौरान तापमान तेज रहता था। अभी पारा 26 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

इसके पूर्व शनिवार को गर्मी का असर कम रहा। पिछले 48 घंटों में दिन और रात का तापमान 2 डिग्री गिरा है। शनिवार को दिन का तापमान 40.8 (0) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। खास बात यह कि एक हफ्ते बाद ऐसी स्थिति बनी है जब दिन का तापमान सामान्य पर आया है। रात का तापमान 24.5 (+1) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम

दरअसल, इस बार मई के पहले दिन तापमान 42 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था जिसने लोगों को हलाकान कर दिया था। अब दो दिनों से तापमान में गिरावट से राहत है। रात को भी गर्मी कम होने से बेचैनी नहीं है। रविवार सुबह से मौसम बदलने के बाद फिलहाल राहत थी।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन के मुताबिक अभी 3 साइक्लोनिक सर्कुलेशन के अलावा दो टर्फ भी गुजर रही है। इस वजह से मौसम बदला हुआ है। अगले चार दिन यानी 7 मई तक प्रदेश में तेज आंधी चलने और बारिश होने की संभावना है। इंदौर और आसपास भी इसका असर रहेगा।

# स्ट्रीट डॉग के प्रति लोगों का उमड़ा प्रेम

## सड़कों पर लगाए श्रद्धांजलि के पोस्टर्स

- हिन्दू रीति-रिवाज से अदा की 13वें की रस्म, मृत्यु भोज करवाया

**इंदौर (एजेंसी)।** इंदौर में एक स्ट्रीट डॉग के प्रति लोगों का प्रेम उमड़ा है। उसकी मौत के बाद लोगों ने विधि विधान से न सिर्फ उसका अंतिम संस्कार किया बल्कि शोक स्वरूप कॉलोनियों में श्रद्धांजलि के पोस्टर्स लगाए हैं। खास बात यह कि आज उसका हिन्दू रीति रिवाज के अनुसार 13वें पर मृत्युभोज गया। जिसमें कॉलोनियों के सारे कुत्तों को भोज दिया जा रहा है।

मामला स्कीम 78, अरण्य नगर का है। यहां कई स्ट्रीट डॉग्स हैं। यहां के रहवासियों और दुकानदारों को इनमें से एक कालू नामक कुत्ते से बहुत लगाव था। दरअसल, वह बहुत समझदार था, वह क्षेत्र में बाहरी व्यक्ति के आने पर लोगों को दिन-रात अलर्ट करता था। बचपन से ही वह रहवासियों के बीच रहा और सबका चहेता था। उसे सारे रहवासी और दुकानदार रोज सुबह-शाम खाना देते थे।

**प्राइवेट वेटरनरी हॉस्पिटल में कराया इलाज-** उसकी उम्र करीब 14 साल थी और पिछले माह वह बीमार हो गया। इसी दौरान एक दुर्घटना में वह घायल भी हो गया। इस पर रहवासियों ने उसे प्राइवेट वेटरनरी हॉस्पिटल में दिखाया। डॉक्टरों ने उसे कई तरह की तकलीफें बताईं। साथ ही उसकी उम्र भी हो चुकी थी। वहां उसे चार दिनों तक ड्रिप चढ़ाई गई और इंजेक्शन दिए गए। रहवासी-दुकानदार रोज उसे अपने वाहन में ले जाते और फिर अपने पास बैठा लेते थे। फिर भी उसकी हालत में कोई खास सुधार नहीं हुआ और 23 अप्रैल को मौत हो गई।

**श्रद्धांजलि पोस्टर्स में साथी कुत्तों के फोटो-** कालू की मौत के बाद कॉलोनी में लोगों के बीच शोक व्याप्त हो गया जबकि उसके दूसरे साथी (कुत्ते) भी उसे न देखकर मायूस हो गए। रहवासियों को उसकी कमी खलने लगी। इस बीच उन्होंने श्रद्धांजलि स्वरूप उसके पोस्टर्स तैयार कराए। उसके बड़े फोटो के साथ श्रद्धांजलि देने वाले अन्य कुत्तों के फोटो लगाए। यह पोस्टर्स कॉलोनी में जगह-जगह लगाए गए। साथ ही श्रद्धांजलि सभा भी आयोजित की गई।

### मृत्यु भोज के बाद कालू की याद में पौधरोपण

दुकानदार कैलाश माहेश्वरी ने बताया कि तेरहवें की रस्म में शोकसभा-श्रद्धांजलि का कार्यक्रम हुआ। इसमें जितने भी दुकानदार और रहवासी जिनका वह खास था सभी को आमंत्रित किया गया है। इसके साथ ही कालू के सभी स्ट्रीट डॉग्स को मृत्यु भोज कराया गया। इसमें उन्हें दूध, रोटी, पनीर, जलेबी, पेडेग्री, दही, छाछ आदि परोसे गए। इसमें बॉइल अण्डे विशेष रूप के परोसे गए। हम उसकी वफादारी को भूल नहीं सकते। उसकी याद में दुकानदार और रहवासी आज तेरहवें के कार्यक्रम के बाद पौधरोपण करेंगे।

### कालू के रहते कभी नहीं हुई चोरी

रहवासी विजयेंद्र शर्मा ने बताया कि वह स्ट्रीट डॉग होते हुए भी किसी पर हमला नहीं करता था। उसके जाने से सभी काफी दुखी हैं। कालू के रहते लोग रात को निश्चिंत होकर सोते थे। कभी यहां चोरी नहीं हुई। धनराज राजलवाल ने बताया कि आज उसका विधिवत मृत्यु भोज करवाया गया।

रहवासी कल्पना बेलपत्र का यहां घर होने के साथ ब्यूटी पॉर्लर है। उन्हें भी कुत्तों से बहुत प्रेम है। कालू और अन्य कुत्तों हमेशा गर्मी में दिन में उनके पॉर्लर में ही रहते थे। कालू ऐसा था जो सभी स्ट्रीट डॉग्स में सबसे बड़ा था। हर जगह चला जाता था इस कारण हरेक को उससे प्रेम था। वह एक तरह से यहां लोगों के लिए बिना पैसा का विजिलेंस था।

कालू की मौत का आज 13वें का कार्यक्रम मनाया गया। इसमें कुत्तों को मृत्यु भोज खिलवाया गया। दुकानदारों-रहवासियों ने कालू की तस्वीर को खूबसूरती से सजाकर विभिन्न भोग लगाए। इसके साथ ही रहवासी मनोज ने मुंडन भी कराया।

कालू की मौत का आज 13वें का कार्यक्रम मनाया गया। इसमें कुत्तों को मृत्यु भोज खिलवाया गया। दुकानदारों-रहवासियों ने कालू की तस्वीर को खूबसूरती से सजाकर विभिन्न भोग लगाए। इसके साथ ही रहवासी मनोज ने मुंडन भी कराया।

# हिडन कैमरे से पकड़ी गई नौकरानी

## व्यापारी की पत्नी के पर्स से चुराए नकदी, लाखों के जेवरात गायब

**इंदौर (एजेंसी)।** इंदौर के हीरानगर इलाके में रहने वाले कपड़ा व्यापारी दिव्यरत्न तिवारी के घर से बीते कुछ दिनों से गहने और नकदी गायब हो रहे थे। शुरुआत में परिजन इस बात को समझ नहीं पाए, बाद में व्यापारी ने घर में हिडन कैमरे लगवाए। रिकॉर्डिंग में घर में काम करने वाली नौकरानी मेघा अलावा पर्स से रुपए चुराते हुए दिखाई दी।

घटना सामने आने के बाद व्यापारी ने तुरंत हीरानगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मेघा निवासी गौरी नगर के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है।

### पहले भी गायब हुए थे लाखों के गहने

दिव्यरत्न तिवारी का कहना है कि उनके घर में पत्नी अंजलि, माता-पिता और बहन रहते हैं। बीते कुछ दिनों में एक-एक करके कीमती गहने गायब होते गए। जिनमें एक सोने का कड़ा, दो चुड़ी, एक नेकलेस, तीन ब्रेसलेट, एक मंगलसूत्र और नकदी शामिल हैं। उन्हें शक है कि यह सब चोरी भी मेघा ने ही की है।

### कैमरे में कैद हुई वारदात

व्यापारी को जब चोरी का संदेह हुआ तो एक सप्ताह पहले घर के अंदर हिडन कैमरे लगवा दिए। कुछ ही दिन में कैमरे में नौकरानी मेघा की करतूत सामने आ गई, जिसमें वह उनकी पत्नी के पर्स से 500 रुपए निकालते हुए साफ दिख रही थी।

फिलहाल हीरानगर पुलिस आरोपी महिला से पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि कैमरे की फुटेज के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। संभावना है कि पूछताछ में चोरी गए गहनों के बारे में और जानकारी मिल सकती है।

### ठक ठक गैंग ने की वारदात, व्यापारी का मोबाइल उड़ाया

शहर में ठक-ठक गैंग ने पलासिया इलाके में एक कपड़ा व्यापारी को निशाना बनाया। बदमाशों ने कार के शीशे पर ठक-ठक कर ध्यान भटकाया और सीट पर रखा व्यापारी का मोबाइल पार कर दिया। घटना की शिकायत पर पलासिया पुलिस ने अज्ञात बदमाश के खिलाफ केस दर्ज किया है। शिकायतकर्ता अमित पोरवाल, निवासी गुलमर्ग प्राइड, कार से अपने ऑफिस जंजीरवाला चौराहा जा रहे थे। जैसे ही वे इंडस्ट्री हाउस तिराहा पर पहुंचे, तभी ड्राइवर साइड का शीशा किसी ने ठकठकाया और इसी दौरान क्लीनर साइड से एक दूसरा व्यक्ति शीशे पर हाथ मारने लगा। व्यापारी का ध्यान भटकते ही ड्राइवर साइड पर खड़ा व्यक्ति बोला- 'गाड़ी आगे बढ़ाओ।' जैसे ही अमित ने कार आगे बढ़ाई, कुछ ही सेकेंड बाद उन्होंने देखा कि उनकी सीट पर रखा मोबाइल गायब था। घटना को समझते ही वे तुरंत थाने पहुंचे और मामला दर्ज कराया। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और बदमाशों को तलाश रही है।

# कृषि कॉलेज में रात के अंधेरे में जलाई पराली

## सीसीटीवी के बाद भी प्रबंधन चुप, अब तक 12 से ज्यादा किसानों पर हो चुकी एफआईआर

**इंदौर (एजेंसी)।** इंदौर के कृषि कॉलेज की जमीन पर पराली जलाने का मामला सामने आया है। यह घटना शनिवार रात की बताई जा रही है, जिसका वीडियो रविवार सुबह सोशल मीडिया पर वायरल हुआ सामने आया। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि यह वीडियो कथित तौर पर कॉलेज परिसर से ही शेयर किया गया, लेकिन अब तक कॉलेज प्रबंधन की ओर से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए खुले में पराली जलाने पर सख्त प्रतिबंध लगा रखा है।

**12 से अधिक किसानों पर दर्ज हुए केस-** शिप्रा, बड़गोदा, महू, कनाडिया, लसूडिया, बाणगंगा और सांवेर जैसे ग्रामीण थाना क्षेत्रों में खुले में पराली जलाने के मामलों में अब तक 12 से ज्यादा एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। इन सभी मामलों में पुलिस ने आम किसानों के खिलाफ कार्रवाई की है। ऐसे में कृषि कॉलेज में हुई यह घटना प्रशासन के लिए दोहरी चुनौती बन सकती है।

# कांटे को कांटे से ही निकालना बेहतर है...

हाल के पहलगांव में हुए इस दुर्दांत हमले के बाद से भारत की जनता में आक्रोश है। साथ ही साथ पीएम मोदी और देश की तमाम राजनीतिक पार्टियां एक मंच पर आकर पाकिस्तान को सबक सिखाने की बात कह रही है। इस हमले के कुछ ही दिन बात पीएम मोदी ने बिहार की धरती मधुबनी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पाकिस्तान के आकाओं और आतंकियों को ये खुले शब्दों में चेतावनी देती हुए कहा है, 'आतंकियों को ऐसी सज़ा मिलेगी जिसकी कल्पना किसी ने नहीं की होगी। सब बदला चाहते हैं किंतु जोश मे होश खोना ठीक नहीं। हमें ऐसा काम करना चाहिए कि हमारा नुकसान कम से कम हो और दुश्मन का ज्यादा से ज्यादा।उधर भारत सरकार ने इस घटना का बदला लेने के लिए सेना को फ्री हैंड दे दिया है। प्रधानमंत्री मोदी की सेना को फ्री हैंड देने की घोषणा का मतलब है कि अब भारतीय सेना आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के लिए स्वतंत्र होगी।

**अशोक मधुप**

पुराना सिद्धांत है कि कांटा-कांटे से निकलता है तलवार या मिसाइल से नहीं। करना भी वही चाहिए। सिद्धांत के विपरीत जाने में ज्यादा नुकसान की ज्यादा संभावना रहती है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद आज देश गुस्से में है। देश की जनता चाहती है कि हमला कराने वाले पाकिस्तान से भारत बदला ले। पाकिस्तान को तहस-नहस कर दे। पाकिस्तान पर हमलाकर उसे सबक सिखाए। सरकार भी ही चाहती है। इसके लिए उसने सेना को फ्रीहैंड दे दिया। ऐसे में देश की जनता को चाहिए कि सरकार और सेना को सोचने, समझने और तैयारी करने का अवसर दे। हमले की तैयारी फुलप्रूफ हो कि दुश्मन को ज्यादा से ज्यादा नुकसान हो। हमले में अपने देश, देश के जवानों और सेना की कम से कम क्षति हो। हमले का बदला भी ले लिया जाए।

इतिहास गवाह है कि पहले भी हम अपना बहुत कम नुकसान कर दुश्मन का बड़ा नुकसान पहुंचा चुके हैं। इसके लिए पाकिस्तान में बने आंतकियों के लांचिंग पैड दो बार तबाह ही नहीं किए, वहां मौजूद आंतकियों का खात्मा भी दो बार पहले हो चुका है। भारतीय सेना के कमांडो ने 28 सितंबर 2016 की रात को गुलाम कश्मीर (पीओके) में दाखिल होकर आतंकी कैंपों में सर्जिकल स्ट्राइक की। यह कार्रवाई गुलाम कश्मीर (पीओके) के चार क्षेत्र भिंबर सेक्टर, तत्तापानी सेक्टर, लिपी सेक्टर व कैल सेक्टर में एक साथ हुई। पांच घंटे चली इस कार्रवाई में इन सेक्टरों में चल रहे छह आतंकी शिविर तबाह करने के साथ करीब 45 आतंकियों को मार गिराया गया। मिशन को अंजाम देकर सभी कमांडों सुरक्षित भारतीय क्षेत्र में लौट आए। अभियान में शामिल कमांडों की हेलमेट पर लगे विशेष कैमरों व ड्रोन की मदद से पूरे ऑपरेशन को कैद भी किया गया। 14 फरवरी 2019 को जम्मू और कश्मीर के पुलवामा में जोरदार विस्फोट हुआ था। निशाने पर था ष्ट्रक्क के 78 वाहनों का काफिला। विस्फोट में 40 जवान शहीद हो गए थे। दो सप्ताह बाद 26 फरवरी 2019 को भारतीय वायुसेना के मिराज-2000 विमानों ने रात के अंधेरे में नियंत्रण रेखा यानी एसओसी पार कर पाकिस्तान के पूर्वोत्तर इलाके खैबर पख्तूनख्वाह के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के ट्रेनिंग कैम्पों पर सर्जिकल स्ट्राइक की थी। भारत के तत्कालीन विदेश सचिव विजय गोखले ने कहा कि इस स्ट्राइक में बड़ी संख्या में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी, उनको प्रशिक्षण देने वाले, संगठन के बड़े कमांडर और फिदायीन हमलों के लिए तैयार हो रहे जिहादियों को खत्म कर दिया गया। अगले दिन पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई की कोशिश की। भारत ने दावा किया कि डॉग-फाइट में भारतीय वायुसेना के मिग-21 ने पाकिस्तानी वायुसेना के एफ-16 को मार गिराया। पाकिस्तान ने भी मिग-21 को मार गिराया और विंग कमांडर अभिनंदन को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, दबाव में दो दिन बाद उन्हें रिहा कर दिया गया।बदला लेने की तैयारी ऐसी ही हो ।अपना कम से कम नुकसान हो और दुशमन का बहुत ज्यादा।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान पर पांच तरफ से हमला बोला। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घोषणा कर चुकें है कि इसका बदला लिया जाएगा। दुश्मन को माफ नही किया जाएगा। उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। भारत सरकार सिंधु जल संधि,



अटारी सीमा और वीजा संबंधी सेवाएं बंद करने का फैसला कर चुकी है। पूरे विश्व में पाकिस्तान का चरित्र उजागर करने में भारत का विदेश मंत्रालय लगा है। भारत दुनिया भर के देशों को इस बात के सबूत देने में लगा है कि पाकिस्तान भारत में आतंकवाद फैला रहा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी कबूल कर चुके हैं कि पाकिस्तान तीन दशक से आतंकवाद बढ़ाने में लगा है। एक इंटरव्यू में आसिफ ने कहा था, हम लगभग तीन दशकों से संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) और ब्रिटेन सहित पश्चिम के लिए आंतकवाद फैलाने का यह गंदा काम कर रहे हैं।

इस सबके बीच अब सरकार ने पाकिस्तान पर सोशल स्ट्राइक कर हमला बोला है। भारत में पाकिस्तान के 16 यूटयूब चैनल बंद किए जा चुकें हैं। आसिफ के एक्स अकाउंट को बैन करने का यह कदम भारत द्वारा 16 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों पर प्रतिबंध लगाने के ठीक एक दिन बाद उठाया गया। बैन किए गए पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों का सब्सक्राइबर बेस 63 मिलियन है।ये चैनल भड़काऊ और सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील सामग्री फैला रहे थे। ब्लॉक किए गए कुछ प्रमुख पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों में डॉन न्यूज, एआरवाई न्यूज, बोल न्यूज, जियो न्यूज, समा टीवी और जीएनएन शामिल हैं।

हाल के पहलगांव में हुए इस दुर्दांत हमले के बाद से भारत की जनता में आक्रोश है। साथ ही साथ पीएम मोदी और देश की तमाम राजनीतिक पार्टियां एक मंच पर आकर पाकिस्तान को सबक सिखाने की बात कह रही है। इस हमले के कुछ ही दिन बात पीएम मोदी ने बिहार की धरती मधुबनी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पाकिस्तान के आकाओं और आतंकियों को ये खुले शब्दों में चेतावनी देती हुए कहा है, 'आतंकियों को ऐसी सज़ा मिलेगी जिसकी कल्पना किसी ने नहीं की होगी। सब बदला चाहते हैं किंतु जोश मे होश खोना ठीक नहीं। हमें ऐसा काम करना चाहिए कि हमारा नुकसान कम से कम हो और दुश्मन का ज्यादा से ज्यादा ।

उधर भारत सरकार ने इस घटना का बदला लेने के लिए सेना को फ्री हैंड दे दिया है। प्रधानमंत्री मोदी की सेना को फ्री हैंड देने की घोषणा का मतलब है कि अब भारतीय सेना आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के लिए स्वतंत्र होगी। अब उसे इसके लिए किसी राजनैतिक से अनुमति की जरूरत नही होगी।

सरकार ने जहां आंतकवाद को प्रश्य देने वाले पाकिस्तान को नुकसान पहुंचाने के लिए सरकार सिंधु जल संधि को स्थागित करने का फैसला लिया है। ऐसे ही और निर्णय भी हो सकतें हैं पाकिस्तान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर साइबर अटैक कराए जा सकते हैं। तो पाकिस्तान के विरूद्ध खड़े आतंकवादी समूहों की इसी तरह मदद की जा सकती है जैसे पाकिस्तान भारत के विरूद्ध करता है। सिंध और बलूचिस्तान के आजादी के आंदोलन में लगे सशस्त्र समूहों की मदद करके उन्हें मजबूत किया जा सकता है। अफगानिस्तान की तालिबानी सरकार पाकिस्तान से नाराज है कि उसका भी फायदा उठाया जा सकता है। हालात इस तरह के पैदा किए जा सकते है कि बिना सैनिक कार्रवाई किए पाकिस्तान को अपने घर में उलझा दिया जाए। ऐसे हालात पैदाकर दिए जाएं कि उसके विभिन्न टुकड़े हो जाएं।

इस सब के बीच बड़ी खबर यह है कि आम कश्मीरी इस हमले का विरोध कर रहा है। इस हमले की कश्मीर की मस्जिदों से निंदा की गई। सबने एक सुर में कहा कि पाकिस्तान को इसका जवाब दिया जाना चाहिए। पिछले कुछ साल में कश्मीर में लौटी रौनक से कश्मीर का कारोबार बहुत तेजी के साथ बढ़ा है। करीब 15 लाख टूरिस्ट अब कश्मीर आने लगे हैं। 22 अप्रैल की आंतकवादी घटना ने कश्मीर के इस व्यापार को बड़ा धक्का दिया है। ज्ञातव्य है कि इस हमले में 26 सैलानियों की मौत हुई है। पहलगाम में आंतकी हमले के बाद देश में गुस्सा है। देश की जनता चाहती है कि हमला कराने वाले पाकिस्तान से भारत बदला ले। पाकिस्तान पर हमलाकर उसे सबक सिखाए। देश की जनता इस समय जोश में है किंतु जोश में हमें होश नहीं खोना है। हमारी कोशिश ये हो कि बिना युद्ध के पाकिस्तान से बदला ले लिया लाए। उसे विभिन्न भाग में तोड़ दिया जाए। हमला करने वाले कही भी जाकर छुप जाए इसे इजरायल के गुप्तचर संगठन मौसाद की तर्ज पर वहीं जाकर मारा जाए।

# एसआरएफ फाउंडेशन द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नालछा में स्वास्थ्य उपकरणों के वितरण

**नालछा । एसआरएफ फाउंडेशन द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नालछा में स्वास्थ्य उपकरणों के वितरण हेतु एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत नालछा विकासखंड के 12 उप-स्वास्थ्य केंद्रों को स्वास्थ्य उपकरण प्रदान किए गए।**

इस अवसर पर धार के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी , जनपद पंचायत नालछा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (CEO), पुलिस विभाग से आरआई पुरुषोत्तम sir, स्वास्थ्य विभाग से डीपीएम श्री रघुवंशी, एसआरएफ फाउंडेशन के सीनियर प्रोग्राम ऑफिसर श्री अकरम सिद्दीकी, कार्यक्रम अधिकारी श्री अविनाश वर्मा एवं एमपी न्यूज संवाददाता श्री विनीत यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नालछा की टीम द्वारा मंचासीन अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि एसआरएफ फाउंडेशन द्वारा प्रदान किए गए स्वास्थ्य उपकरणों का उपयोग सुनियोजित तरीके से किया जाए और उनकी समुचित देखरेख सुनिश्चित की जाए। एसआरएफ फाउंडेशन के सीनियर प्रोग्राम ऑफिसर श्री अकरम सिद्दीकी ने अपने उद्बोधन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नालछा की पूरी टीम को एनक्यूएएस प्रमाणपत्र प्राप्त होने पर हार्दिक बधाई दी। उन्होंने बताया कि यह उपलब्धि जिला प्रशासन के मार्गदर्शन एवं नालछा स्वास्थ्य केंद्र की टीम की कड़ी मेहनत का परिणाम है। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम अधिकारी श्री अविनाश वर्मा ने समस्त अतिथि गणों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

# फेंस कंपनियों के लिए नए रास्ते खोलेगी 63000 करोड़ की राफेल डील

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत का डिफेंस सेक्टर बहुत तेजी के साथ ग्रोथ कर रहा है। कुछ समय पहले भारत ने 26 राफेल-एम फाइटर जेट्स खरीदने का फैसला किया है। इसके लिए भारत ने फ्रांस के साथ 63000 करोड़ रुपये का कॉन्ट्रैक्ट किया है। यह सिर्फ एक डील नहीं है। बल्कि मेक इन इंडिया प्रोग्राम के लिए भी बहुत फायदमेंद रहने वाला है। फ्रांस के साथ हुई डील में एयरक्राफ्ट के साथ-साथ लॉन्ग टर्म के लिए सपोर्ट, ट्रेनिंग और कुछ पार्ट्स का घरेलू स्तर पर उत्पादन शामिल है। ऐसे में डिफेंस कंपनियों के शेयरों पर दांव लगाना फायदेमंद हो सकता है।

इकनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार भारत धीरे-धीरे डिफेंस बजट को बढ़ा रहा है। मौजूदा समय में भारत का डिफेंस बजट, जीडीपी का 1.9 प्रतिशत है। जिसे आने वाले समय में 4 प्रतिशत तक ले जाने की योजना है। भारत का बढ़ता डिफेंस फोकस हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, बीईएल और मझगांव डॉक जैसी डिफेंस कंपनियों के लिए नए रास्ते खोलेगा।

**1- हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड** -एचएएल एयरोस्पेस डिफेंस सेगमेंट में एक मार्केट लीडर है। कंपनी के पास 1.8 हजार करोड़ रुपये का मजबूत ऑर्डर हैं। वहीं, 6 हजार करोड़ रुपये के काम पाइपलाइन में है। ब्रोकरेज हाउस मोतीलाल ओसवाल ने इस स्टॉक के लिए 5100 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। जोकि शुक्रवार की क्लोजिंग की तुलना में 13 प्रतिशत अधिक है।

**2- भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड** -इस कंपनी के लिए ब्रोकरेज हाउस ने 360 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। जोकि शुक्रवार की क्लोजिंग की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है। पिछले एक साल में इस डिफेंस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 32 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 340.35 रुपये और 52 वीक लो लेवल 221 रुपये है। (यह निवेश की सलाह नहीं है। शेयर बाजार जोखिमों के अधीन है। किसी भी निवेश से पहले सूझ-बूझ के साथ सलाह लें। यहां प्रस्तुत एक्सपर्ट्स के विचार निजी हैं। लाइव हिन्दुस्तान इस आधार पर शेयरों को खरीदने और बेचने की सलाह नहीं देता है।)

## डिफेंस कंपनी कर रही है आईडीएल एक्सप्लोसिवेस का अधिग्रहण, सोमवार को फोकस में रहेंगे शेयर

डिफेंस सेक्टर को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। अपोलो माइक्रो सिस्टम के शेयर सोमवार को फोकस में रहेंगे। इस डिफेंस कंपनी की सब्सिडियरी अपोलो डिफेंस इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड ने आईडीएल एक्सप्लोसिवेस Limited को खरीदने का फैसला किया है। अपोलो की सब्सिडयरी इस अधिग्रहण के लिए 107 करोड़ रुपये खर्च करेगी। बता दें, 2 मई को इस डील का ऐलान किया गया है। प्रक्रिया को पूरा होने में 2 से महीने का समय लगेगा। अपोलो ने एक्सचेंज को दी जानकारी के अनुसार में कहा कि इससे उत्पादन क्षमता में इजाफा होगा। जोकि घरेलू डिमांड को देखते हुए एक बड़ी डील है। इस डील से अपोलो ग्रुप की डिफेंस सेक्टर में स्थिति और मजबूत होगी।

**इस अधिग्रहण की डीटेल्स क्या हैं?-** आईडीएल एक्सप्लोसिवेस के 78.65 लाख शेयर खरीदे जाएंगे। अपोलो ग्रुप 135.04 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से ये शेयर खरीदने का फैसला किया है। इस डील के पूरा होने के बाद आईडीएल एक्सप्लोसिवेस का अपोलो डिफेंस 100 प्रतिशत हासिल कर लेगा। बता दें, आईडीएल एक्सप्लोसिवेस जीओसीएल कॉरपोरेशन लिमिटेड की एक सब्सिडियरी कंपनी है। जोकि हिंदुजा ग्रुप का हिस्सा है।

**अपोलो माइक्रो सिस्टम्स शेयरों का क्या हाल है?-** शेयर 0.64 प्रतिशत की तेजी के साथ 116.40 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। बीते एक हफ्ते के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 4 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 6 महीने में यह डिफेंस स्टॉक 13 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न देने में सफल रहा है। कंपनी का 52 वीक हाई 157 रुपये और 52 वीक लो लेवल 88.10 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 3567.54 करोड़ रुपये का है।

## मैनेजर ने एम्प्लॉई को बताया सिर्फ एक नंबर

### इसके बाद उसने कुछ ऐसा किया कि कंपनी को लग गया करोड़ों का झटका

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आजकल कंपनियों में कर्मचारियों से कहा जाता है कि वे अपनी जिम्मेदारी से बढ़कर काम करें। उनसे ये भी कहा जाता है कि खुद से आगे बढ़कर और टीम के साथ मिलकर काम करें। लेकिन क्या होता है जब उनकी मेहनत को अनदेखा कर दिया जाता है? या फिर उन्हें बेकार समझ लिया जाता है? एक एम्प्लॉई ने सोशल मीडिया पर अपनी कहानी शेयर की। ये कहानी बहुत से लोगों को पसंद आ रही है। ये सिर्फ एक जीत की कहानी नहीं है। ये उस भावना को दिखाती है जो आजकल कॉर्पोरेट कल्चर में बढ़ रही है। वो ये है कि कर्मचारी अब खुद को कम आंकने से तंग आ चुके हैं। एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने अपना अनुभव बताया। ये ऐसी कहानी है जिसे सुनकर लोग खुश भी हो रहे हैं और हैरान भी।

### काम ज्यादा, सैलरी कम

उस कर्मचारी ने एक टेक कंपनी में तीन साल काम किया। दो टीम मेंबर्स के जाने के बाद, उसने दोगुनी जिम्मेदारी संभाली। उसने बहुत काम किया और एक बड़े क्लाइंट से उसे हमेशा तारीफ मिली। लेकिन जब उसने सैलरी बढ़ाने की बात की, तो उसे हमेशा अनदेखा कर दिया गया।

**मैनेजर ने बताया नंबर-** आखिर में, उसके मैनेजर ने उससे कहा, यहां सब लोग बस एक नंबर हैं। तुम्हारी जगह लेने के लिए कल 50 रेज्यूमे आ सकते हैं। ये बात सुनकर उस कर्मचारी को बहुत बुरा लगा। इसके बाद उसने दूसरी जॉब ढूंढना शुरू कर दिया। वह एम्प्लॉई अपनी कंपनी के सबसे बड़े क्लाइंट का काम भी करता रहा। उस क्लाइंट ने एम्प्लॉई के काम की तारीफ करते हुए मैनेजमेंट के सीनियर अधिकारियों को ईमेल भी किए थे। लेकिन उस कर्मचारी का कहना है कि उन ईमेल पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। दो हफ्तों में उसे एक दूसरी कंपनी से नौकरी का ऑफर मिला। उस नौकरी में उसकी सैलरी 40 प्रतिशत ज्यादा थी और सुविधाएं भी बेहतर थी।

### रिजाइन दिया तो बदला कंपनी का रवैया

जब उसने अपनी नौकरी से इस्तीफा दिया, तो कंपनी का रवैया बदल गया। वही मैनेजर जो उसे नंबर बता रहा था, अब उसे रोकने की कोशिश करने लगा।

# 10 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में सौर ऊर्जा की व्यवस्था की

**मुंबई, एजेंसी।** लाईटिंग के क्षेत्र में विश्व की अग्रणी कंपनी, सिग्निफाई ने अपने फ्लैगशिप सीएसआर अभियान, 'स्वास्थ्य किरन' के अंतर्गत कर्नाटक में 10 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) में सौर ऊर्जा की व्यवस्था की है। यह अभियान सेल्को फाउंडेशन के सहयोग से पूरा किया गया। इस परिवर्तनकारी अभियान का उद्देश्य गाँव की स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं में रोशनी और विश्वसनीय बिजली की निरंतर उपलब्धता बनाए रखना है, ताकि वंचित समुदायों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार आ सके।

हर पीएचसी में 5 केडब्लूक्यू का सोलर पैनल, 19.2 केडब्लूएच की बैटरी और 6 केवीए का सोलर पीसीयू लगाया गया है ताकि स्वास्थ्य सेवा, प्रकाश एवं आवश्यक मेडिकल उपकरणों के लिए निरंतर बिजली की आपूर्ति हो सके। इस पहल से सभी 10 केंद्रों में लगभग 70,000 यूनिट्स की बचत हो सकेगी। यानी हर साल लगभग 4.5 लाख रुपये की बचत होगी। साथ ही कार्बन उत्सर्जन में प्रतिवर्ष लगभग 50 मीट्रिक टन की कमी आएगी, जिससे बेहतर स्वास्थ्य सेवा आपूर्ति के साथ ज्यादा हरित और सस्टेनेबल वातावरण को बढावा मिलेगा।

उद्घाटन के अवसर पर डॉ. मोहनदास, टी.बी. अधिकारी, जिला स्वास्थ्य कार्यालय, तुमकुर और डॉ. सिद्धेश्वर, तालुक स्वास्थ्य अधिकारी, सीरा ब्लॉक के साथ

ग्राम पंचायत के गणमान्य लोग मौजूद थे। उन्होंने ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा के ढांचे को मजबूत बनाने में इस परियोजना के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की।

निखिल गुप्ता, हेड ऑफ मार्केटिंग, स्ट्रेट्जी, सरकारी मामले एवं सीएसआर - सिग्निफाई, ग्रेटर इंडिया ने कहा, ''सिग्निफाई में हम लाईटिंग के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता की मदद से अपने सीएसआर अभियानों द्वारा समुदायों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा स्वास्थ्य किरन सीएसआर प्रोजेक्ट कर्नाटक के गाँवों में बिजली की जरूरतमंद स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भरोसेमंद और सस्टेनेबल ऊर्जा प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। हमें हजारों लोगों के जीवन में सुधार लाने के लिए सेल्को फाउंडेशन के साथ साझेदारी करने पर गर्व है।''

स्वास्थ्य किरन परियोजना चार जिलों के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में चलाई जा रही है, जिनमें 4 टुमकुर जिले से, 3 बैंगलोर शहरी, 1 कोलार और 2 मैसुरु से हैं। चयन के लिए उन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को प्राथमिकता दी गई, जो उच्च आपूर्ति के स्थानों पर हैं, तथा जहाँ आउटपेशेंट (ओपीडी) के लिए आने वाले मरीजों की संख्या बहुत ज्यादा है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को इन सुविधाओं का लाभ मिल सके।

इस समारोह के अवसर पर सेल्को फाउंडेशन ने कहा, ''सेल्को फाउंडेशन में हम वंचित समुदायों को सस्टेनेबल ऊर्जा समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सिग्निफाई के साथ हमारी साझेदारी द्वारा गाँवों की स्वास्थ्य सुविधाओं को भरोसेमंद और निरंतर बिजली की आपूर्ति हो सकेगी, ताकि वहाँ प्रभावी रूप से स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा सकें।'' डीजल जनरेटर पर निर्भरता को कम करके और निरंतर बिजली की आपूर्ति बनाए रखकर यह प्रोजेक्ट स्वच्छ ऊर्जा को बढावा दे रहा है और लगभग आधे मिलियन ग्रामीणों एवं अंतिम छोर पर स्थिति लाभार्थियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की आपूर्ति को मजबूत बना रहा है।

इस अभियान ने सस्टेनेबल हैल्थकेयर इन्फ्रास्ट्रक्चर के मानक स्थापित कर दिए हैं और यह रिन्युएबल ऊर्जा द्वारा समावेशी एवं समानतापूर्ण स्वास्थ्य समाधानों को बढावा देने के लिए साझेदारी की शक्ति प्रदर्शित करता है।

# ना करें पैसों से जुड़ी ये गलतियां

**अक्सर महिलाओं की ये समस्या होती है कि घर का खर्च ज्यादा हो रहा है और पैसों से जुड़ी बचत नहीं हो पा रही है। यहां निवेश और बचत की नहीं खर्च की बात हो रही है। घरों में आजकल की व्यस्त लाइफस्टाइल कुछ ऐसी हो गई है कि लोगों को ये समझ ही नहीं आता कि उनका इतना खर्च आखिर कैसे बढ़ गया है। ये सब कुछ पैसे से जुड़ी कुछ गलतियों के कारण होता है।**

आम तौर पर यही देखा जाता है कि पति और पत्नी एक दूसरे से इसके बारे में बात नहीं करते। पत्नी घर संभाल रही हो या फिर बाहर काम कर रही हो तो भी इसके बारे में बातें नहीं की जातीं। बच्चे अगर पढ़ने की उम्र में हैं या टीनएज हो गए हैं तो उन्हें भी अक्सर घर पर ये नहीं बताया जाता है कि निवेश और बचत की जरूरत क्या है। हफ्ते में कम से कम एक बार सभी को बैठकर घर और पैसे के खर्च से जुड़ी बातें करनी चाहिए। इससे वो खर्च भी सामने आ जाता है जिसका शायद अंदाजा भी नहीं होता। ये घर का बजट बनाने में भी मददगार साबित हो सकता है।

## पहले खर्च फिर जो बचा वो निवेश

हमारी भारतीय संस्कृति में एक आम कहावत है कि 'जितनी चादर है उतना ही पैर पसारो'। ये बहुत अच्छा कथन है, लेकिन इसे हमें थोड़ा सा बदलना होगा क्योंकि हम हमेशा जितना खर्च है उतना कर लो और उसके बाद जो बचा वो बचत। इससे समस्या ये होती है कि जरूरत से अधिक खर्च भी हो जाता है और बचत कम रह जाती है। इसे थोड़ा सा बदलने की जरूरत है और कमाई के बाद एक निश्चित बचत और उसके बाद जितना बचा उसे खर्च करना चाहिए। ये बजट आसानी से बन सकता है कि महीने में कितनी बचत की जा सकती है।

## बचत और निवेश का अंतर न समझना

मान लीजिए आप हर महीने की आय में से कुछ पैसे बचा लेते हैं, लेकिन क्या इन पैसों को बचाने से सिर्फ काम हो जाता है? जी नहीं, बचत और निवेश में काफी अंतर है जिसे समझने की जरूरत है। पैसे ड्रॉअर में पड़े रहें या फिर वो बैंक के सेविंग्स अकाउंट में रखा है तो उससे हमारे भविष्य के लिए कोई फायदा हो रहा है? बिलकुल नहीं। तन्वी जी का कहना है कि उनके पास बहुत से लोग आते हैं और वो यहीं मात खा जाते हैं। उन्हें निवेश इस बारे में सोचकर करना चाहिए कि भविष्य में ये कितना रिटर्न देगा।

## अपनी बचत और निवेश को ऑटोमैटिक मोड पर नहीं डालना

बैंक की आरडी या एफडी जिसका ऑटोमैटिक पैसा कटता है वो ज्यादा सही है। भले ही बचत और निवेश का कोई भी मोड हो पैसा ऑटोमैटिक हर महीने कटना चाहिए। कारण ये है कि अगर बचत हर वक्त नहीं होगी तो हम उस कमाई को खर्च करने के लिए उत्सुक रहेंगे। अकाउंट में या जेब में ज्यादा पैसा होने का मतलब है कि उसे खर्च करने का लालच भी बढ़ जाएगा। अगर सैलरी आते ही एक अच्छे फाइनेंशियल एक्सपर्ट की मदद से पैसे निवेश कर देंगे तो हमारा भविष्य सुरक्षित होगा।

## अपने पैसे को अलग-अलग जगह न निवेश करना

पैसा है आपके पास तो क्या हर बार वो एक ही तरह से निवेश किया जाएगा? कई लोग सिर्फ FD बनाते रहते हैं, कुछ को पोस्ट ऑफिस की NSC अच्छी लगती है, लेकिन इसका सीधा सा मतलब ये होता है कि पैसे के साथ कोई एक्सपेरिमेंट नहीं किया जाता। कारण ये है कि अगर एक ही तरह से पैसा निवेश होगा तो खतरे की स्थिति में एक ही साथ उसके खर्च होने या फिर डूब जाने की गुंजाइश भी होती है।

## फाइनेंशियल भाषा से डरना और रिस्क न लेना

इंसान का दिमाग जो चीज समझ नहीं पाता वो उससे हमेशा डरता रहता है और ये बहुत आम घटना है कि लोग खुद को फाइनेंशियल भाषा सिखा नहीं पाते। ऐसे में उन्हें जानकारी न के बराबर रहती है। होता ये है कि ऐसी स्थिति में निवेश के समय हम बहुत ज्यादा सोच विचार में लग जाते हैं और कई बार डर के कारण रिस्क नहीं ले पाते। इससे बाद में नुकसान होने की गुंजाइश है।

## कर्ज को न समझना

बहुत से लोगों के पास होम लोन होता है, कार का लोन होता है, क्रेडिट कार्ड से खर्च होता है। अर्थव्यवस्था में कर्ज की दरें लगातार बढ़ती और घटती रहती है। ऐसे में हमारे कर्ज पर भी असर पड़ता है। किसी भी तरह के लोन को हमेशा फाइनेंशियल एक्सपर्ट से हर साल रिव्यू करवाना चाहिए। क्या पता ब्याज की दर इससे कम हो सके। इसी तरह से क्रेडिट कार्ड सबसे महंगा तरीका है ऐसे में कई बार वो बहुत महंगा पड़ जाता है। कोशिश करें कि हर वक्त क्रेडिट कार्ड निकालने से बचें।

# अपनी पसंद और फिटिंग के मुताबिक खरीदें ट्रैंडी जींस

**जींस एक ऐसी कॉमन ड्रैस है, जो हर लड़की के वार्डरोब में जरूर मौजूद होती है। बाजार में कई स्टाइलिश जींस आ चुकी हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद और फिटिंग के मुताबिक खरीद सकती हैं। जींस खरीदने से पहले आपको यह जानना जरूरी हैं कि आजकल किस पैटर्न की जींस का चलन ज्यादा है। आज हम आपको जींस की इन्हीं वैरायटी के बारे में बता रहे हैं जिनके बारे में जानकर आपको अपनी पसंद की जींस खरीदने में आसानी होगी.**

## रिप्ड जींस

रिप्ड जींस एक दशक से फैशन ट्रैंड में बनी हुई है। कॉमन यंग गर्ल्स से लेकर बॉलीवुड एक्ट्रैस सभी में इसका क्रेज है। शायद ही कोई लड़की होगी जिसके वार्डरोब में रिप्ड जींस न हो। एक दशक पहले ट्रैंड में आई ये जींस आज भी लड़कियों की पहली पसंद बनी हुई है। इसमें जींस के कई हिस्से में कुछ स्लिट्स या कट्स बने होते हैं। कॉमन लैंग्वेज में इसे फटी जींस भी कहते हैं। अगर आपके पास कोई पुरानी जींस है, जिसे आप नहीं पहनतीं तो उसे ब्लेड से कट करके रिप्ड जींस का लुक दें सकती हैं। रिप्ड जींस को आप लॉन्ग कुर्ती या फिर किसी भी टॉप के साथ वियर कर सकती हैं। ये आपको कूल और स्टाइलिश लुक देगी।

## बैगी जींस

बैगी जींस अपने लूज साइज की वजह से काफी कंफर्टेबल होती है। दो से तीन दशक पहले इस पैटर्न की जींस का काफी चलन था। एक बार फिर से इसका ट्रैंड लौट आया है। यही वजह है कि सैलेब्स में भी ये जींस काफी पॉपुलर है। ट्रैवलिंग के दौरान या कहीं आने-जाने के लिए एक्ट्रैस इसे कैरी किए नजर आती रही हैं।

## पैच वर्क जींस

इन दिनों पैच वर्क जींस भी काफी पॉपुलर हैं। यंग गर्ल्स से लेकर सैलेब्स इसे पहने नजर आती रहती हैं। ये जींस अलग-अलग रंग के जींस के चौकोर टुकड़ों को एक साथ पैच करके बनाई जाती है, जो देखने में काफी युनीक और कूल लगती हैं।

## बेल बॉटम जींस

पुराने जमाने में आपने हीरो-हीरोइन को फिल्मों में नीचे से खुली पैंट या जींस पहने देखा होगा। इस स्टाइल को बेल बॉटम स्टाइल कहते हैं। आजकल बेल बॉटम जींस का फैशन फिर से लौट आया है। ये जींस काफी कंफर्टेबल होती हैं। यंग गर्ल्स से लेकर वर्किंग वुमन बेल बॉटम जींस पहनना पसंद कर रही हैं।

## स्किन फिट जींस

इसके नाम से ही क्लियर है कि ये जींस कैसी होगा। ये पूरी तरह स्किन टाइट होती है। ज्यादातर लड़कियां स्किन फिट जींस पहनना पसंद करती हैं, लेकिन अगर कंफर्ट की बात करें तो ये उतनी आरामदायक नहीं होती। तब भी इस जींस का क्रेज लड़कियों में बना हुआ है। इसे आप अपनी मनपसंद कुर्ती या फिर टॉप के साथ कैरी कर सकती हैं।

सीएसके को बचाने का आखिरी रास्ता

# धोनी को वैभव सूर्यवंशी चाहिए...

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आईपीएल 2025 में क्या कोई सीएसके के बाहर होने से बचने का रास्ता है? जवाब है नहीं. लेकिन, इस टीम को हाशिए पर जाने से जरूर बचाया जा सकता है. सीएसके को अगले सीजन के लिए तैयार जरूर किया जा सकता है. और, उसके लिए धोनी की पीली जर्सी वाली टीम को जरूरत है वैभव सूर्यवंशी की. अब आप कहेंगे कि वैभव सूर्यवंशी तो सीएसके को तब मिलेंगे, जब राजस्थान रॉयल्स उन्हें छोड़ेगी या रिलीज करेगी. बात भी सही है. आईपीएल 2025 में वैभव सूर्यवंशी तो राजस्थान रॉयल्स की आन-बान-शान बने हैं. लेकिन, हमारे कहने का मतलब वैभव सूर्यवंशी से नहीं उनके जैसे खिलाड़ियों से है. धोनी को वैभव सूर्यवंशी ही नहीं, उनके जैसे खिलाड़ी चाहिए. वो खिलाड़ी जो पूरी तरह से बेखौफ हो. जिनकी पावरहिटिंग गजब की हो. और, जो गेंदबाज को नहीं गेंद को देखकर अपना शॉट खेलते हों. धोनी को सीएसके को बचाने के लिए वैभव सूर्यवंशी जैसी खूबियों वाले खिलाड़ी चाहिए. अब इसकी भी वजह है. वैभव सूर्यवंशी के क्रिकेट खेलने की विस्फोटक मिजाज और अंदाज की बात चली ही है, तो इन आंकड़ों से भी दो- चार हो लीजिए. वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2025 में सर्वाधिक 209.71 की स्ट्राइक रेट वाले बल्लेबाज हैं. सिर्फ 35 गेंदों पर शतक जड़कर वो आईपीएल में ऐसा करने वाले वो सबसे तेज भारतीय हैं. वो आईपीएल इतिहास में शतक जड़ने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाज हैं. आईपीएल 2025 में पहले 4 मुकाबले खेलने के बाद ही वैभव सूर्यवंशी के खाते में 16 छक्के दर्ज हैं. जबकि सीएसके की ओर से सबसे ज्यादा 14 छक्के जड़ने वाले शिवम दुबे ने 11 मैच खेले हैं. चेन्नई सुपर किंग्स के खाते में सिर्फ 2 जीत दर्ज है. यानी 9 मुकाबलों में उन्हें हार मिली है. इस खराब प्रदर्शन के चलते ही वो आईपीएल 2025 के पॉइंट्स टेबल में ना सिर्फ सबसे आखिरी 10वें पायदान पर हैं.

### इन वजहों से धोनी को 'वैभव सूर्यवंशी' की तलाश?

आईपीएल या टी-20 क्रिकेट का जिक्र छिड़ते ही मन में जो पहला ख्याल आता है, वो होते हैं छक्के-चौके. आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स इसी में बुरी तरह से फ्लॉप दिखी है. वो आईपीएल 2025 में सबसे कम छक्के लगाने वाली टीम बनकर उभरी है. इस सीजन पावरप्ले में उसने उतने भी छक्के नहीं लगाए, जितने वैभव सूर्यवंशी ने उस फेज में अकेले जड़ दिए हैं. अब इन हालातों से उबारने के लिए जाहिर है सीएसके को कुछ अगर चाहिए तो वो वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ी ही हैं. भले ही उनकी उम्र वैभव सूर्यवंशी जैसे 14 साल की ना हो, मगर उनके खेलने का मिजाज और अंदाज बिल्कुल वैसा ही हो.

# स्मृति मंधाना बनी 100 वनडे खेलने वाली 7वीं भारतीय

**नई दिल्ली, एजेंसी।** त्रिकोणीय सीरीज का चौथा मुकाबला भारतीय महिला क्रिकेट टीम और श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम के बीच खेला जा रहा है. श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया. ये मैच भारतीय खिलाड़ी स्मृति मंधाना के लिए खास है, क्योंकि ये उनका 100वां वनडे मैच है. 100 वनडे मैच खेलने वाली स्मृति मंधाना 7वीं भारतीय महिला क्रिकेटर हैं, उनसे पहले 6 खिलाड़ियों ने इस आंकड़े को छुआ है. पूर्व कप्तान मिताली राज महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा वनडे मैच खेलने वाली खिलाड़ी हैं, उन्होंने अपने 23 साल के करीयर में कुल 232 मैच खेले हैं. उसके बाद 204 मैच खेलने वाली झूलन गोस्वामी हैं,

दोनों ही भारतीय महिला क्रिकेटर्स ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से सन्यास ले लिया है. तीसरे नंबर पर इंग्लैंड की चार्लोट एडवर्ड्स हैं, जिन्होंने 191 मैच खेले.

**भारत के अधिक ओडीआई मैच खेलने वाली टॉप 10 महिला क्रिकेटर्स**

मिताली राज- 232 मैच
झूलन गोस्वामी- 204 मैच
हरमनप्रीत कौर- 144 मैच
अंजुम चोपड़ा- 127 मैच
अमिता शर्मा- 116 मैच
दीप्ति शर्मा- 104 मैच
स्मृति मंधाना- 100 मैच
नीतू डेविड- 97 मैच
नूशीन खडीर- 78 मैच
रुमेली धार- 78 मैच

100 वनडे के आलावा स्मृति ने 7 टेस्ट और 148 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं. अपने 100वें मैच से पहले उन्होंने 4288 रन बनाए हैं, इसमें 10 शतकीय और 30 अर्धशतकीय पारियां शामिल हैं. 7 टेस्ट मैचों में उन्होंने 629 रन बनाए हैं. टेस्ट में उनके नाम 2 शतक और 3 अर्धशतक हैं.

148 टी20 मुकाबलों में स्मृति मंधाना ने 3761 रन बनाए हैं, इस फॉर्मेट में उन्होंने 30 अर्धशतक ज? हैं.

**त्रिकोणीय सीरीज में टॉप पर टीम इंडिया**

भारतीय क्रिकेट टीम ने पहले मैच में श्रीलंका और दूसरे मैच में साउथ अफ्रीका को हराया था. 2 में 2 जीत के साथ उसके 4 अंक हैं और त्रिकोणीय सीरीज की अंक तालिका में टीम टॉप पर है

## मैं इस हार का दोष लेता हूं...

# RCB आरसीबी से हारकर टूटे एमएस धोनी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आरसीबी द्वारा मिले 214 रनों का पीछा करते हुए रवींद्र जडेजा (77*) के साथ जब आयुष म्हात्रे (94) क्रीज पर थे, तब सीएसके की जीत की संभावना 75 प्रतिशत थी लेकिन म्हात्रे के आउट होने के बाद मैच पलट गया. डेवाल्ड ब्रेविस के आउट होने के बाद एमएस धोनी क्रीज पर आए, लेकिन वह भी टीम को जीत नहीं दिला पाए. अंतिम 3 गेंदों में सीएसके को 6 रन चाहिए थे, लेकिन यश दयाल ने शानदार यॉर्कर गेंदों से इसे डिफेंड कर लिया. मैच के बाद सीएसके कप्तान एमएस धोनी ने माना कि उनकी टीम में अधिकांश बल्लेबाज पैडल शॉट मारने में असहज थे, जबकि आधुनिक युग में बल्लेबाजों को इसके खेलना आना चाहिए. उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी एक ऐसा क्षेत्र है, जहां हम पीछे रह गए. उन्होंने ये भी माना कि उनसे भी गलती हुई, जो बड़े शॉट्स नहीं खेल पाए. धोनी ने कहा, मुझे लगा कि मुझे कुछ और शॉट खेलने चाहिए थे और दबाव कम करना चाहिए था, इसलिए मैं इस हार का दोष लेता हूँ. डेथ ओवरों में शेफर्ड बेहतरीन थे, हम जो भी गेंदबाजी कर रहे थे, वह अधिकतम रन बनाने में सक्षम था. हमें यॉर्कर का अधिक अभ्यास करने की आवश्यकता है. अक्सर ऐसा होता है कि जब बल्लेबाज सेट होने लगते हैं और गेंद उनके बल्ले पर अच्छे से आती है, तो आपको यॉर्कर पर निर्भर रहना पड़ता है.

# दिल्ली में बनने जा रहा नया वेस्टवाटर ट्रीटमेंट प्लांट

## निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण हुआ शुरू

**नईदिल्ली, एजेंसी।**
दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने एक नए वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट (अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र) की स्थापना के लिए कापसहेड़ा क्षेत्र में निजी कृषि भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी देते हुए शनिवार को बताया कि यहां लगभग 12 एकड़ भूमि पर 36 एमएलडी जल क्षमता वाला WWTP स्थापित किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि अधिग्रहण और प्रभावित पक्षों को मुआवजा देने के लिए दक्षिण-पश्चिम जिले के अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट को प्रशासक नियुक्त किया गया है। भूमि अधिग्रहण पर कोई भी आपत्ति, यदि कोई हो, अधिसूचना की तिथि से 60 दिनों के भीतर दर्ज की जा सकती है।

उन्होंने बताया कि दक्षिण पश्चिम जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय ने हाल ही में भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन अधिनियम, 2013 में उचित मुआवजा और पारदर्शिता के अधिकार और सार्वजनिक उद्देश्य के लिए अन्य संबंधित नियमों को लागू किया और ताजपुर खुर्द में 19.14 बीघा (लगभग 12 एकड़) भूमि अधिग्रहण के लिए अधिसूचना जारी की है।

इस बारे में जारी अधिसूचना के अनुसार, यदि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की सरकार संतुष्ट है कि भूमि सार्वजनिक उद्देश्य के लिए आवश्यक है, तो दिल्ली राजपत्र में नियत समय में अंतिम अधिसूचना प्रकाशित की जाएगी। भारतीय लोक प्रशासन संस्थान द्वारा किए गए

सामाजिक प्रभाव आकलन अध्ययन की रिपोर्ट के अनुसार, अपेक्षित भूमि का टुकड़ा वैध और वास्तविक सार्वजनिक उद्देश्य की पूर्ति करता था और न्यूनतम मात्रा का था। आईआईपीए ने रिपोर्ट में कहा कि अधिग्रहण से किसी भी परिवार का विस्थापन नहीं होगा।

ताजपुर खुर्द अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र राष्ट्रीय हरित अधिकरण के आदेशानुसार 2017 यमुना पुनरुद्धार परियोजना के तहत राष्ट्रीय राजधानी में नियोजित सात संयंत्रों में से एक है। शहर की नई भाजपा सरकार मौजूदा सीवेज उपचार संयंत्रों (एसटीपी) में सुधार करके और आने वाले महीनों में नए एसटीपी स्थापित करके अत्यधिक प्रदूषित नदी को साफ और पुनर्जीवित करने की योजना बना रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मार्च में अपनी सरकार के पहले बजट में यमुना की सफाई के लिए 1,500 करोड़ रुपए अलग रखे थे। इस आवंटन में 40 विकेन्द्रीकृत एसटीपी की स्थापना के माध्यम से यह सुनिश्चित करने के लिए 500 करोड़ रुपए शामिल हैं कि नदी में केवल उपचारित पानी ही पहुंचे। एसटीपी की मरम्मत और उन्नयन के लिए 500 करोड़ रुपए और पुरानी सीवर लाइनों को बदलने के लिए 250 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं।

# अंजतापुरम योजना 3 दशक बाद भी नहीं हो पाई शुरू, फंसा है पेच

**नईदिल्ली, एजेंसी।**
आवास एवं विकास परिषद की अजंतापुरम आवासीय योजना तीन दशक (31 साल) बाद भी शुरू नहीं हो पाई है। इससे योजना के लिए जमीन देने वाली सहकारी आवास समितियों में रोष बढ़ रहा। हिंडन एयरपोर्ट के पास सिकंदरपुर,निस्तौली,भोपुरा,बेहटा हाजीपुर और पसौंडा गांव की जमीन पर अजंतापुरम को बसाने की योजना बनी थी।

सहकारी आवास समितियों का दावा है कि मार्च 1994 में उनसे परिषद ने जमीन ले ली और दो साल में योजना शुरू करने का आश्वासन दिया था। समितियों ने बिना एवार्ड किए जमीन परिषद को दे दी। समितियों के मुताबिक,आवास विकास परिषद योजना को विकसित करने के बाद उनसे विकास शुल्क लेकर 80 फीसदी जमीन उन्हें लौटा देती। इस जमीन पर भूखंड काटकर सदस्यों को बांटे जाते और नए आवास बनते, मगर आज तक योजना कागजों से बाहर ही नहीं निकल पाई है।

योजना शुरू न होने से नाराज समितियों के लोग अब कोर्ट जाने की तैयारी कर रहे। उनका आरोप है कि योजना का लेआउट फाइनल होने से पहले एक समिति का नक्शा पास कर दिया और एक अन्य समिति को कब्जा भी दे दिया। अजंतापुरम योजना करीब 190 एकड़ में विकसित होनी है। 11 सहकारी आवास समितियों ने 135 एकड़ जमीन दी है और बाकी जमीन परिषद ने खरीदी है। योजना में जीडीए, नगर निगम, ग्राम सभा, पीडब्ल्यूडी की जमीन भी है। कई बार लेआउट जमीन की अड़चन के चलते फाइनल नहीं हो पाया। कई बार फीजिबिलिटी रिपोर्ट दोबारा बनानी पड़ी। इसी साल लेआउट मुख्यालय भेजा गया था, लेकिन एयरपोर्ट को जाने वाले संपर्क मार्ग के पास व्यावसायिक भूखंड आरक्षित होने से दोबारा बदलाव करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि लोन लेकर जमीन ली थी। अधिकारियों ने हमारी जमीन लेने के बाद भी इस योजन पर काम नहीं किया। जन विहार सहकारी आवास समिति लिमिटेड के सचिव आरबी शर्मा ने बताया कि साल 1997 में योजना का नोटिफिकेशन हो गया था।

# अनुमति लेकर की थी, अब.. पाकिस्तानी महिला से शादी करने वाला बर्खास्त सीआरपीएफ जवान

**नईदिल्ली, एजेंसी।**
पाकिस्तानी महिला से शादी की वजह से चर्चा में आए सीआरपीएफ जवान को सुरक्षा बल ने बर्खास्त कर दिया था। अब बर्खास्तगी के कुछ ही घंटों बाद जवान मुनीर अहमद ने कहा कि पिछले साल शादी करने के पहले उन्होंने बल के मुख्यालय से अनुमति ली थी। अनुमति मिलने के करीब एक महीने बाद उन्होंने शादी की थी। मुनीर ने कहा कि उन्हें यह फैसला मान्य नहीं है, वह इस फैसले के खिलाफ कोर्ट जाएंगे। पीटीआई से बात करते हुए मुनीर ने कहा, शुरुआत में मुझे मीडिया के माध्यम से ही अपनी बर्खास्तगी की खबर मिली थी। कुछ देर में मेरे पास सीआरपीएफ का एक लेटर भी आ गया, जिसमें मेरी बर्खास्तगी के बारे में बताया गया था। यह मेरे और मेरे परिवार के लिए एक झटका था क्योंकि शादी के पहले जब मैंने अपने मुख्यालय से पाकिस्तानी महिला से शादी की अनुमित मांगी थी तो मुझे अनुमति मिल गई थी। इससे पहले केंद्रीय रिजर्व पुलिस ने

जवान मुनीर अहमद के मामले में बयान देते हुए कहा था कि अहमद को पाकिस्तानी महिला मीनल खान से 'छिपाकर' शादी करने और उसे जानबूझकर वीजा के खत्म होने के बाद भी भारत में शरण देने के लिए बर्खास्त कर दिया गया है। बल की तरफ से कहा गया कि यह हरकतें देश की सुरक्षा के लिए हानिकारक हो सकती हैं। अहमद ने अपने मामले के बारे में बताते हुए कहा, मैंने सबसे पहले 31 दिसंबर 2022 को पाकिस्तानी महिला से शादी करने की अपनी इच्छा से मुख्यालय को अवगत कराने के लिए पत्र लिखा था। इसमें मुझे पासपोर्ट, शादी का कार्ड और हलफनामे की कॉपी दिखाने के लिए कहा गया। इसके बाद मैंने अपना हलफनामा और अपने माता-पिता, सरपंच और जिला विकास परिषद के सदस्य के हलफनामे भी उचित चैनलों के माध्यम से जमा किए और आखिरकार 30 अप्रैल, 2024 को मुख्यालय से मंजूरी मिल गई।

उन्होंने कहा कि मैंने जब मुख्यालय से एनओसी मांगा तो वहां से मुझे बताया गया कि ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। इसके अलावा विदेशी नागरिक से शादी करने के लिए जो औपचारिकताएं होती हैं उन्हें वह पहले ही पूरा कर चुका है। मुनीर ने कहा, इसके बाद हमने पिछले साल 24 मई को वीडियो कॉल के माध्यम से ऑनलाइन शादी कर ली।

# गुजरात के आणंद जिले के सामरखा से 33 भैंसों को भरके कतलखाने महाराष्ट्र जाते हुवे बारडोली से बचाया गया, जिन्हें दो कंटेनरों में भरकर बूचड़खाने ले जाया जा रहा था

बारडोली ( गुज) 1 हर दिन गुजरात के विभिन्न जिलों जैसे आणंद, समरखा, वडोदरा, अटांडिया, भरूच, सूरत जिले और तापी जिले से 40 से 50 ट्रक, टेम्पो और बंद बॉडी पैक कंटेनरों में बहुत ही भयानक तरीके से पशुओं को भरकर सूरत के पलसाना से तापी जिले के व्यारा, सोनगढ़ होते हुए बारडोली और महाराष्ट्र के मालेगाम स्थित बूचड़खाने की फैक्ट्री में भेजा जाता है.... इन वाहनों को पास कराने के लिए एक बहुत बड़ा नेटवर्क चल रहा है। जिले के कुछ लोग इन मवेशियों से लदे वाहनों को चलाते हैं और इस तरह गुजरात से मवेशियों को बूचड़खाने भेज देते हैं।

मामला सूरत जिले के बारडोली में मानेकपोर चेकपोस्ट के पास हिंडोलिया गांव में हाईवे पर गुजर रहे दो बंद बॉडी कंटेनर को महाराष्ट्र के मालेगांव में बूचड़खाने जाने से रोका गया, बहुत ही भयानक, गंभीर तरीके से, और पकड़कर बारडोली ग्रामीण पुलिस को सौंप दिया गया। महावीरभाई जैन को जब सूचना मिली तो वे स्वयं, शिवम पांडे, धवल ठाकुर, आशीष पटेल, शुभम राजपूत आदि तुरंत बारडोली आए और निगरानी रखी। जब पहला कंटेनर, जिसका नंबर GJ 08 AW 6990 था, सुबह 2:15 बजे आया, तो उन्होंने उसे रोककर जांच की। पाया गया कि कंटेनर के अंदर 17 मृत पशु थे। जब दूसरा कंटेनर, जिसका नंबर GJ 14 Z 5292 था, आया, तो उसे भी रोककर जांच की गई। इनमें से 16 पशु पाए गए। कुल 33 पशु पाए गए। मृत पाए गए सभी 33 पशुओं में से 2 पशु इतने बुरी तरह से घायल थे कि दोनों पशुओं के दोनों पैर टूट गए थे और वे न तो अपने आप खड़े हो सकते थे और न ही चल सकते थे।

अंत में जब पशुओं को पिंजरे में खाली किया जा रहा था, तब भी वे खड़े नहीं हो सके। अंत में दोनों पशुओं को घसीट कर ले जाया गया। यह देखकर इन मासूम प्राणियों को कत्लखाने भेजने वाले कसाइयों को जरा भी दया नहीं आती। जब मासूम पशु प्रेमियों ने पुलिस को फोन किया, तो बारडोली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और कंटेनर की तलाशी लेने पर अंदर 17 भैंसें बेरहमी से बंधी हुई मिलीं। पुलिस ने ट्रक चालक निशार मोहम्मद शेख (निवासी, मालेकवाडो, खेरालू, जिला मेहसाणा) और क्लीनर हैदर खान भाई खान बलोच (निवासी, पालनपुर, जिला बनासकांठा) को हिरासत में लिया। जबकि ट्रक मालिक मोहम्मद ओवेश खान यासीन खान हापानी (निवासी, चडोतर, जिला पालनपुर, बनासकांठा) को वांछित घोषित किया गया। पुलिस पूछताछ में पता चला कि भैंस को उसके ट्रक मालिक ने आनंद से माल से भरा था और उसे महाराष्ट्र के मालेगांव में उतारकर दलाल को सौंपना था। पुलिस ने 4.25 लाख रुपए कीमत की 17 भैंसें, 5 लाख रुपए कीमत का कंटेनर, 5 हजार रुपए कीमत का मोबाइल फोन और कुल 9.30 लाख रुपए जब्त किए। इसी तरह का एक और मामला मानेकपुर गांव के बाहरी इलाके में सामने आया। यहां भी चरवाहे ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और कंटेनर क्रमांक (जीजे 14 जेड 5292) में ठूंसकर भरी 17 भैंसों को मुक्त कराया। जिनकी कुल कीमत 425 लाख रुपए, 5 लाख रुपए कीमत का कंटेनर और 3 हजार रुपए कीमत का मोबाइल फोन और कुल 928 लाख रुपए जब्त किए।

पुलिस ने चालक इरफान मोहम्मद ढेफा (निवासी, उमरवाड़ा, ता. अंकलेश्वर, जिला. भरूच) और क्लीनर आसिफ इकबाल सिंधी (निवासी, अट्टांधव, ता. कर्जन, जिला. वडोदरा) को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि ट्रक मालिक सरफराज मूसा पटेल (निवासी, अछोद, ता. आमोद, जिला. भरूच) को वांछित घोषित किया गया है। इन भैंसों को भी मालेगांव मंडी में दिया जाना था। पुलिस ने दोनों घटनाओं में अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं और आगे की जांच कर रही है।